कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर

पाठ्यक्रम सत्र 2019–20

कक्षा : समस्त संकाय द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषयः– ग्रामीण हस्तकला

पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे : 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यान : 03

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

2. विद्यार्थियों का हस्तकला के प्रति रूझान बढाना ।
2. पुष्प निर्माण कला के अंतर्गत कृत्रिम पुष्प निर्माण कला सिखाना, पुष्प पात्र सज्जा एवं कृत्रिम आभूषण तथा सजावटी साधनों के द्वारा गृह उपयोगी उपसाधन निर्माण कला सिखाना ।
3. स्वरोजगारों के प्रति जागरूकता का प्रयास करना।

क्र.	विषय विवरण
	– कृत्रिम **आभूषण** डिजाइन : 1. कृत्रिम आभूषण का अर्थ एवं आवश्यकता। 2. चूडियॉं निर्माणयोजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में वधानियॉं 3. कंगन निर्माण योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं निर्माण में सावधानियां। 4. एयरिंग्स योजना बनाना, आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉं। 5. अन्य आभूषण– साडी पिन, जूडा पिन, 'की' रिंग आवश्यक सामग्री निर्माण विधि एवं सावधानियॉं। 6. निर्मित साधन की लागत निकालना।
	– कृत्रिम **पुष्प** निर्माण : 1. कृत्रिम पुष्प व्यवस्था का अर्थ, उपयोगिता एवं लाभ 2. कृत्रिम पुष्प निर्माण के साधन पुष्प निर्माण हेतु कपडे के प्रकार – अवरगंडी स्टोकिंग (तीन प्रकार) आवश्यक सामग्री निर्माण विधि, निर्माण में सावधानियॉं पुष्प निर्माण हेतु पेपर – क्रेप पेपर, पुराने न्यूज पेपर से फूल बनाना पुष्प निर्माण क्ले के द्वारा आवश्यक सामग्री, निर्माण विधि 3 कृत्रिम बोनसाय – बोनसाय का अर्थ एवं उपयोगिता – कृत्रिम बोनसाय की निर्माण सामग्री – कृत्रिम बोनसाय निर्माण में सावधानियॉं 4. निर्मित साधन की लागत निकालना

अग्रिम.....2

	– कृत्रिम रंग निर्माण 1. होली के प्राकृतिक रंग तैयार करना। 2. प्राकृतिक रंग का अर्थ 3. रंग के प्रकार – (1) सूखा रंग (2) तरल रंग 4. रंग निर्माण के वनस्पतिक स्त्रोत – नीम, मेंहदी, पोई, टेसू, चूकन्दर, पालक, संतरे एवं नीबू के छिलके 5. निर्माण सामग्री एकत्र करने के तरीके 6. रंग निर्माण की विधि 7. निर्माण में सावधानियॉं 8. उत्पादन का विक्रय
	– **पुष्प पात्र सज्जा :** 1. पुष्प पात्र सज्जा का अर्थ एवं महत्व 2. पुष्प पात्र सज्जा के साधन– क्ले एवं कलर, पेंट, रेत, कंकरीट एवं रंग से सज्जा मोम, मोती एवं डोरियां, कांच, जरी इत्यादी से पुष्प पात्र सज्जा करने की विधियाँ 3. ओरिगेमी (पेपर वर्क) से पात्र सज्जा
	– **– प्लाय या अन्य आधार (एक्रेलिक शीट, फोम शीट, अनुपयोगी पात्र) पर सजावटी एवं उपयोगी साधनों का निर्माण :** 1. बन्दनवार (दो प्रकार) निर्माण सामग्री, निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 2 बहुउद्देशीय रांगोली से तात्पर्य 3 रांगोली निर्माण के साधन – प्लाय, एक्रेलिक एवं फोम शीट, कलर, कुंदन, मोती, जरी निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 4. कलश एवं थाल सज्जा – आवश्यक सामग्री – कलर, कुंदन, जरी, डोरी, मोती, सिरोसक्की आदि 5. निर्माण विधि एवं सावधानियॉं 6. निर्मित साधन की लागत निकालना

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2019–20 //

कक्षा : समस्त संकाय प्रथम वर्ष

विषय :– बागवानी पाठ्यकम प्रमाण पत्र कोर्स

व्याख्यान के कुल घंटे: 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यन :03

पाठ्यकम अध्ययन का उद्देश्य :–

1. विद्यार्थी बागवानी के संबंध में जानकारी एकत्रित करेंगे।
2. विद्यार्थी पुष्ट डिजाइन नर्सरी प्रबंधन, फल और सब्जी उत्पादन का ज्ञान अर्तित करेंगे।
3. विद्यार्थी स्वरोजगार विकल्प में बागवानी को अपना सकते हैं।
4. विद्यार्थी फल एवं फूल उगाने के लिये बागवानी फार्म या बागवानी नर्सरी को व्यवसाय के रूप में चुन सकते हैं।

क्र.	विषय
	पौधों का परिचय – 1. पौधों का वर्गीकरण करके पौधों की प्रजातियों की पहचान करना 2. विभिन्न फूलों को लेबल लगाना 3. बीज वुवाई एवं फूलों की खेती 4. विभिन्न पौधों की छटाई 5. सब्जियों की खेती – बेंगन, हरी मिर्च, धनिया, भिण्डी, खीरा आदि **मिट्टी और पौधों का पोषण –** 1. मिट्टी और खाद के मिश्रण को तैयार करना 2. बनावट, संरचना और जल संरक्षण का ज्ञान अर्जित करना 3. सजावटी पौधों में होने वाले पोषक तत्वों की कमी का उपचार करना 4. विभिन्न प्रकार के पौधों को कंटेनर में उठाने के लिये मिट्टी के मिश्रण का वर्णन करना। **परिचय एवं प्रचार –** 1. कलम और बीजों पर प्रसार तकनीकों की समझ विकसित करना 2. ग्राफ्टिंग की तकनीक को सीखना **पौधों की पहचान एवं उपयोग –** 1. विभिन्न जलवायू में उगाने के लिये पौधों का चयन करना 2. छाया, हवा एवं सौंदर्य वाले पौधों की पहचान करना 3. सजावटी उद्यान के लिये पौधों का चयन करना **पौधों में विभिन्न कीट एवं रोगों की पहचान –** 1. विभिन्न प्रकार के कीटों, बीमारियों की पहचान करना, उनका वर्णन करना और उन पर नियंत्रण के तरीके सीखना **पौधों की सुरक्षा प्रकियाओं को सीखना –** 1. निंदाई, गुडाई, सिचाई व जैविक कीट नाशक का छिडकाव 2. बाजार भाव ज्ञात करना एवं फसल की बिक्री करना – 3. सम्पूर्ण कार्य विवरण की दैनिक डायरी तैयार करना

Autonomous Institute
Kasturba Gandhi National Memorial Trust, K.Gram
KASTURBAGRAM, INDORE (M.P.)

कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

// पाठ्यक्रम 2019–20 //

कक्षा : समस्त द्वितीय एवं तृतीय वर्ष

विषय :– व्यक्तित्व विकास पाठ्यकम प्रमाण पत्र कोर्स

पाठ्यकम अध्ययन का उद्देश्य :–

व्याख्यान के कुल घंटे: 60
कुल माह : 05
प्रति सप्ताह व्याख्यन :03

1. विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास का संमप्रत्यात्मक ज्ञान अर्जित करेंगे।
2. विद्यार्थी व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकों के विषय में अंतदृष्टि विकसित करेंगे।
3. विद्यार्थी सफल साक्षात्कार देने के योग्य होंगे।
4. विद्यार्थी आत्म विश्वास विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी प्रतिबल प्रबंधन की तकनीकों के विषय में जागरूक होंगे।

क्र.	विषय
	व्यक्तित्व विकास के **आयाम** – 1. व्यक्तित्व विकास का प्रत्यय 2. सामंजस्य को विकसित करना 3. शक्ति और कमजोरियों का विश्लेषण 4. अभिप्रेरण 5. व्यक्तित्व उन्नयन की तकनीकें
	व्यक्तित्व विकास के कौशल – 1. प्रभावपूर्ण संचार 2. आत्म सम्मान एवं आत्म विश्वास 3. चिंतन एवं समस्या समाधान कौशल 4. स्वाट विश्लेषण 5. सफल साक्षात्कार के लिये कौशल
	व्यक्तित्व विकास **का प्रबंधन** – 1. समय प्रबंधन एव लक्ष्य निर्धारण 2. प्रतिबल प्रबंधन 3. सफलता एव असफलता का प्रत्यय 4. सोशल मीडिया का प्रबंधन 5. आत्म नियंत्रण एवं सामाजिक समानुभूति
	व्यक्तित्व विकास में सम्प्रेषण – 1. सम्प्रेषण का अर्थ एवं महत्व 2. सूचना 3. संप्रेषण में बाधाएं 4. बाधाओं पर नियंत्रण
	व्यक्तित्व विकास में नेतृत्व – 1. नेतृत्व का परिचय 2. समूह चर्चा, तात्कालिक भाषण 3. समूह गतिशीलता, वैयक्तिक अध्ययन
संदर्भ ग्रंथ	
1	मॉर्डन स्वेटए व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स
2	शर्मा, पी.के. 2014, व्यक्तित्व विकास : आनंद पेपरबैक्स
3	अस्थाना एम.एवं वर्मा के 1999, व्यक्तित्व मनोविज्ञान, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली
4	Andrews. Sudhir 1988, How to Succeed at Interviews. 21th (rep.) Tata McGraw-Hill New Dehi.
5	Covey Stephen 1989, The 7 Habits of Highly Efdective People NY: Free Press
6	Hindle. Him 2003, Reducing Tress. Essential Manager Series D.K. Publishing
7	Lucas Stephen 2001. Art of Public Speaking. Tata McGraw Hill, New Delhi.
8	Pectes SJ Francis 2011, Soft Skills and Professional Communication Tata McGraw-Hill Educatin New Delhi